

>

Title: Regarding farmers facing severe distress in Kerala.

SHRI RAHUL GANDHI (WAYANAD): Thank you Speaker, Sir, for allowing me to speak. Farmers are suffering throughout the country. I would like to draw the attention of the Government to the terrible plight of farmers in Kerala.

It hurts me to inform this House that just yesterday Shri Enkittan, a farmer in Wayanad committed suicide due to crushing debt. In Wayanad alone, bank notices for non-payment of loans have been given to almost eight thousand farmers. They are facing the threat of immediate eviction, under SARFAESI Act, their properties are attached against their bank loans. This is resulting in A spate of farmers suicides.

In Kerala, 18 farmers have committed suicide since banks began recovery procedure one and half years ago. The Government of Kerala has announced a moratorium on repayment of farm loans for all Kerala farmers till 31st December, 2019. Meanwhile, the Government of India is refusing to direct the RBI to consider this moratorium and get it implemented.

Meanwhile, in the last five years, the BJP Government gave Rs.4.3 lakh crore in tax concessions and waived Rs.5.5 lakh crore for rich businessmen.

Why is this shameful double standard? Why does the Government act as if our farmers are inferior to the rich? I was sad to see that no concrete step was taken in this Budget to provide relief to farmers.

I would like to request the Central Government to direct the RBI to consider the moratorium declared by the Kerala Government, and ensure that the banks don't threaten the farmers with recovery notices. The Prime Minister also made certain commitments five years ago to the farmers of this country on prices, farm loan and other issues. ...
(Interruptions)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आपने अपनी बात रख दी है ।

...(व्यवधान)

श्री राहुल गांधी: मैं बस अपनी बात खत्म कर रहा हूँ । ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: अब समाप्त कीजिए ।

...(व्यवधान)

श्री राहुल गांधी: मैं कुछ भी बोल रहा हूँ । ... (व्यवधान) जवाब दे रहा हूँ । ...
(व्यवधान)

श्री राजीव प्रताप रूडी (सारण): आप जवाब नहीं दे सकते हैं । ... (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी: मैं चेयर को एड्रेस कर के जवाब दे रहा हूँ । ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आप चेयर को एड्रेस कर के बोलिए ।

...(व्यवधान)

SHR RAHUL GANDHI: So, there is a terrible situation of farmers in this country. The Prime Minister has made commitments to these farmers. So, I would request the Government of India to fulfil these commitments. Thank you.

माननीय अध्यक्ष : श्री एन.के. प्रेमचन्द्रन को श्री राहुल गांधी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

माननीय रक्षा मंत्री जी इसका जवाब देंगे ।

...(व्यवधान)

रक्षा मंत्री (श्री राजनाथ सिंह): माननीय अध्यक्ष जी, मैं यह कहना चाहूंगा कि जहां तक किसानों की स्थिति का प्रश्न है, यह साल-दो साल या चार-पांच सालों से ही किसानों की दयनीय स्थिति नहीं हुई है । लंबे समय तक जिन लोगों ने सरकार चलाई है, वे किसानों की दयनीय स्थिति के लिए जिम्मेदार हैं । ...
(व्यवधान)

SHRI B. MANICKAM TAGORE (VIRUDHUNAGAR): Sir, what is this? ...*(Interruptions)* He is asking about loan waiver. ...*(Interruptions)*

HON. SPEAKER: Please sit down.

... *(Interruptions)*

श्री राजनाथ सिंह : लेकिन मैं कहना चाहता हूँ कि जब से श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र में सरकार बनी है, बराबर किसानों की आमदनी को दोगुना करने के लिए उनके द्वारा प्रयत्न किए जा रहे हैं । ...*(व्यवधान)* मैं पूरे विश्वास और दावे के साथ कह सकता हूँ कि जितना एमएसपी पांच वर्षों के अंदर हमारे प्रधान मंत्री जी ने बढ़ाने का काम किया है, आजाद भारत के इतिहास में किसी भी सरकार ने एमएसपी को नहीं बढ़ाया है । ...*(व्यवधान)* इतना ही नहीं, किसान मान-धन योजना के अंतर्गत सारे किसानों को, चाहे उनके पास कितनी भी जमीनें क्यों न हों, छह हजार रुपये की धनराशि देने का जो निर्णय हम लोगों ने किया है, उसे हम लोगों ने लागू भी किया है । ...*(व्यवधान)* महोदय, मैं एक रिपोर्ट के आधार पर यह बतलाना चाहता हूँ कि उससे किसानों की की आमदनी में 20-25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है । ...*(व्यवधान)* यह हमारी ऐसी सरकार है, जिसने किसानों के लिए काम किया है । ...*(व्यवधान)* अभी हमें बहुत कुछ करना है । ...*(व्यवधान)* लेकिन बहुत कुछ किया भी है । ...*(व्यवधान)* सबसे ज्यादा स्यूसाइड्स यदि

किसानों ने की हैं तो इससे पहले की हैं । ... (व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, पिछले पांच वर्षों के अंदर स्यूसाइड्स का नंबर, मैं दावे के साथ कह सकता हूँ कि कम हुआ है । ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, जब आपके माननीय सदस्य ने कोई मुद्दा उठाया है तो आपको माननीय मंत्री जी का जवाब भी सुनना चाहिए । मैंने उन्हें आउट ऑफ टर्न बोलने की परमिशन दी है तो आपको जवाब भी सुनना चाहिए । यह तरीका ठीक नहीं है । आपको जवाब सुनना चाहिए ।

... (व्यवधान)

12.07 hrs

MATTERS UNDER RULE 377*

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, नियम-377 के अधीन मामलों को सभा-पटल पर रखा जाए । जो सदस्य 20 मिनट के भीतर सभा पटल पर रख सकते हैं, उन्हीं मामलों को सभा पटल पर रखा माना जाएगा । शेष व्यपगत माने जाएंगे ।

